

सहस्रग्रन्थ संग्रह-सूचीपत्र

# सहस्रग्रन्थ संग्रह

सूचीपत्र



संकलन

परम पूज्य ज्ञानकिरणदिवाकर, चारित्रशिरोमणि  
तपश्चर्या-चक्रवर्ती, विद्या-वाचस्पति,  
चतुर्थ-पट्टाधीशाचार्यश्री सुविधिसागर जी महाराज

सम्पर्कसूत्र -

भरतकुमार इन्दरचन्द पापडीवाल

३-४-९, पानदरिबा रोड़, अप्पा हलवाई के पास

औरंगाबाद (महाराष्ट्र) ४३१००९

फोन = ०२४०-२३६८७८५

मोबाइल = ०९३७९९४९१०४

sanmati28@yahoo.com

suvidhiguru@gmail.com

suvidhiguru@yahoo.in

# २०८

## २५८ ग्रन्थ

### इतिहास

- १ भारतीय राजनीति : जैनपुराणसाहित्य सन्दर्भ में
- २ हिन्दी जैनसाहित्य का बृहद् इतिहास = ०१
- ३ हिन्दी जैनसाहित्य का बृहद् इतिहास = ०२
- ४ हिन्दी जैनसाहित्य का बृहद् इतिहास = ०३
- ५ हिन्दी जैनसाहित्य का बृहद् इतिहास = ०४
- ६ जैन आयुर्वेद का इतिहास
- ७ जैन लेखसंग्रह = ०१
- ८ जैन लेखसंग्रह = ०२
- ९ जैनसाहित्य का बृहद् इतिहास = ०१
- १० जैनसाहित्य का बृहद् इतिहास = ०२
- ११ जैनसाहित्य का बृहद् इतिहास = ०३
- १२ जैनसाहित्य का बृहद् इतिहास = ०४
- १३ जैनसाहित्य का बृहद् इतिहास = ०५
- १४ जैनसाहित्य का बृहद् इतिहास = ०६
- १५ जैनसाहित्य का बृहद् इतिहास = ०७
- १६ प्राचीन एवं मध्यकालीन मालवा में ---
- १७ शूरसेन जनपद में जैनधर्म का विकास

### कोश

- १ अभिधान चिन्तामणि कोश
- २ आदर्श हिन्दी संस्कृत कोश
- ३ आदर्श हिन्दी शब्दकोश
- ४ अभिधान राजेन्द्र कोश = ०१
- ५ अभिधान राजेन्द्र कोश = ०२
- ६ अभिधान राजेन्द्र कोश = ०३
- ७ अभिधान राजेन्द्र कोश = ०४
- ८ अभिधान राजेन्द्र कोश = ०५
- ९ अभिधान राजेन्द्र कोश = ०६
- १० अभिधान राजेन्द्र कोश = ०७
- ११ अर्द्धमागधी कोश = ०१
- १२ अर्द्धमागधी कोश = ०२
- १३ अर्द्धमागधी कोश = ०३
- १४ अर्द्धमागधी कोश = ०४
- १५ अर्द्धमागधी कोश = ०५
- १६ अवधि कोश

- १७ बृहद हिन्दी लोकोक्तिकोश  
 १८ बृहद पर्यायवाची कोश  
 १९ बृहद हिन्दीकोश  
 २० दर्शन परिभाषा कोश  
 २१ डिंगल कोश  
 २२ एकार्थक कोश  
 २३ गुजराती हिन्दी शब्दकोश  
 २४ हिन्दी कन्नड कोश  
 २५ हिन्दी लोकोक्ति कोश  
 २६ हिन्दी मुहावरा कोश  
 २७ हिन्दी नाटक कोश  
 २८ हिन्दी पर्यायवाची कोश  
 २९ हिन्दी संस्कृत धातुकोश  
 ३० हिन्दी शब्दसागर = ०१  
 ३१ हिन्दी शब्दसागर = ०२  
 ३२ हिन्दी शब्दसागर = ०३  
 ३३ हिन्दी शब्दसागर = ०४  
 ३४ हिन्दी शब्दसागर = ०५  
 ३५ हिन्दी शब्दसागर = ०६  
 ३६ हिन्दी शब्दसागर = ०७  
 ३७ हिन्दी शब्दसागर = ०८  
 ३८ हिन्दी शब्दसागर = ०९  
 ३९ हिन्दी शब्दसागर = १०  
 ४० हिन्दी शब्दसागर = ११  
 ४१ हिन्दुस्तानी कोश  
 ४२ जैन पारिभाषिक कोश  
 ४३ कन्नड हिन्दी शब्दकोश  
 ४४ लेश्या कोश  
 ४५ मानक हिन्दी कोश = ०१  
 ४६ मानक हिन्दी कोश = ०२  
 ४७ मानक हिन्दी कोश = ०३  
 ४८ मानक हिन्दी कोश = ०४  
 ४९ मानक हिन्दी कोश = ०५  
 ५० नालन्दा शब्दसागर  
 ५१ नीति सूक्तिकोश  
 ५२ निरुक्त कोश  
 ५३ पाइयसद्धमहण्णवो  
 ५४ पौराणिक कोश  
 ५५ प्राकृत हिन्दी कोश  
 ५६ प्रामाणिक हिन्दी कोश  
 ५७ पुरातत्त्व पारिभाषा कोश

- ५८ साहित्यशास्त्र का पारिभाषिक शब्दकोश  
 ५९ समान्तर कोश  
 ६० संक्षिप्त हिन्दी शब्दसागर  
 ६१ संस्कृत हिन्दी कोश  
 ६२ संस्कृत लोकोक्ति कोश  
 ६३ संस्कृत नाट्यकोश  
 ६४ शब्दकल्पद्रुम = ०१  
 ६५ शब्दकल्पद्रुम = ०२  
 ६६ शब्दकल्पद्रुम = ०३  
 ६७ शब्दकल्पद्रुम = ०४  
 ६८ शब्दकल्पद्रुम = ०५  
 ६९ संस्कृत वाङ्मय कोश = ०१  
 ७० संस्कृत वाङ्मय कोश = ०२  
 ७१ सुलभ धातुरूप कोश  
 ७२ वाचस्पत्यम् = ०१  
 ७३ वाचस्पत्यम् = ०२  
 ७४ वाचस्पत्यम् = ०३  
 ७५ वाचस्पत्यम् = ०४  
 ७६ वाचस्पत्यम् = ०५  
 ७७ वाचस्पत्यम् = ०६  
 ७८ वनस्पतिकोश  
 ७९ वर्द्धमान जीवन कोश  
 ८० वर्गीकृत लोकोक्ति कोश

**शोधप्रबन्ध**

- १ आगम और कर्मसिद्धान्त के आलोक में पुण्य-पापतत्त्व  
 २ अनेकान्तवाद : एक समीक्षात्मक अध्ययन  
 ३ अपभ्रंश और हिन्दी में जैनरहस्यवाद  
 ४ अपरिग्रहवाद : एक तुलनात्मक अध्ययन  
 ५ भगवान् अरिष्टनेमि और कर्मयोगी---  
 ६ भगवान् महावीर एक अनुशीलन  
 ७ भारतीय संस्कृति में जैनधर्म का योगदान  
 ८ इन्द्रभूति गौतम : एक अनुशीलन  
 ९ हरिवंशपुराण का सांस्कृतिक अध्ययन  
 १० हिन्दी जैनसाहित्य में कृष्ण स्वरूप-विकास  
 ११ हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग  
 १२ जैनदर्शन और आधुनिक विज्ञान  
 १३ संस्कृत ग्रन्थान्तर्गत जैनदर्शन के नवतत्त्व  
 १४ जैनदर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों की वैज्ञानिकता  
 १५ जैनदर्शन की संज्ञा की अवधारणा----  
 १६ जैनदर्शन में आचारमीमांसा  
 १७ जैनदर्शन में कारण-कार्यव्यवस्था----

- १८ जैनदर्शन में समत्वयोग ----
- १९ जैनदर्शन में श्रद्धा, मतिज्ञान और ----
- २० जैनदर्शन में त्रिविध आत्मा की अवधारणा
- २१ जैनदर्शन तथा साहित्य का भारतीय---
- २२ जैनधर्म और तान्त्रिक साधना
- २३ जैनधर्म का स्वरूप
- २४ जैनधर्म के नवकारमन्त्र में---
- २५ जैनधर्म की कुल मान्यतायें-----
- २६ जैनधर्म में तप : स्वरूप और विश्लेषण
- २७ जैनधर्म में आराधना का स्वरूप
- २८ जैनदर्शन में आत्मविचार
- २९ जैनधर्म में अहिंसा
- ३० जैनधर्म में ध्यान का ऐतिहासिक विकासक्रम
- ३१ जैन कर्मसिद्धान्त और मनोविज्ञान की भाषा
- ३२ जैन कर्मसिद्धान्त का तुलनात्मक अध्ययन
- ३३ जैन कथाओं का सांस्कृतिक अध्ययन
- ३४ जैन कथासाहित्य में प्रतिबिम्बित धार्मिक जीवन
- ३५ जैन कथासाहित्य : विविध रूपों में
- ३६ जैनकवियों के ब्रजभाषा-प्रबन्धकाव्यों का अध्ययन
- ३७ जैन कवियों का इतिहास
- ३८ जैन महापुराण : कलापरक अध्ययन
- ३९ जैन मुद्रायोग की वैज्ञानिक एवं आधुनिक समीक्षा
- ४० जैन न्यायशास्त्र : एक परिशीलन
- ४१ जैनप्रतिमाविज्ञान
- ४२ जैन पुराणों का सांस्कृतिक अध्ययन
- ४३ जैन साधनापद्धति में ध्यानयोग
- ४४ जैनयोग : सिद्धान्त और साधना
- ४५ जैनयोग का आलोचनात्मक अध्ययन
- ४६ जिनागमों की मूलभाषा
- ४७ जैनागमों में परमात्मवाद
- ४८ जैनधर्म में दान : एक समीक्षात्मक अध्ययन
- ४९ जैनों का संक्षिप्त इतिहास, दर्शन-----
- ५० जैनसाहित्य में श्रीकृष्णचरित
- ५१ कायोत्सर्ग
- ५२ लेश्या और मनोविज्ञान
- ५३ मध्यकालीन हिन्दी जैनकाव्य में रहस्यभावना
- ५४ मध्यभारत की कला, संस्कृति एवं पुरातत्त्व
- ५५ महामन्त्र की अनुप्रेक्षा
- ५६ मराठी और उसका साहित्य
- ५७ नमस्कार महामन्त्र
- ५८ णमो सिद्धाणं पद : समीक्षात्मक परिशीलन

- ५९ निर्ग्रन्थ-परम्परा में चैतन्य आराधना  
 ६० ओमकार : एक अनुचिन्तन  
 ६१ ओमकार जपविधि  
 ६२ पातंजलयोग एवं जैनयोग का तुलनात्मक अध्ययन  
 ६३ प्राचीन एवं मध्यकालीन मालवा में जैनधर्म---  
 ६४ प्राचीन भारतीय गणित  
 ६५ प्रमुख जैनाचार्यों का संस्कृत काव्यशास्त्र में योगदान  
 ६६ प्रतिक्रमण : एक रहस्यमयी योगसाधना  
 ६७ प्रायश्चित्तविधि का शास्त्रीय पर्यवेक्षण  
 ६८ पुराण और जैनधर्म  
 ६९ रहस्यवादी जैन अपभ्रंशकाव्य का हिन्दी पर प्रभाव  
 ७० ऋषभदेव : एक परिशीलन  
 ७१ सम्यग्दर्शन का माहात्म्य : प्रभाव और लाभ  
 ७२ संस्कृत-प्राकृत जैनव्याकरण और कोश की परम्परा  
 ७३ श्रावक धर्म और उसकी प्रासंगिकता  
 ७४ तिरुवल्लुवर एवं कबिर का तुलनात्मक अध्ययन  
 ७५ वीर निर्वाणसंवत् और कालगणना

**विशिष्ट साहित्य**

- १ आयुर्वेद सारसंग्रह  
 २ भारतीय दर्शन परिचय (नैयायिक दर्शन)  
 ३ भारतीय दर्शन परिचय (वैशेषिक दर्शन)  
 ४ बौद्धदर्शन  
 ५ छन्दप्रभाकर  
 ६ मीमांसादर्शन  
 ७ मुहूर्त्त चिन्तामणि  
 ८ रस-अलंकार-पिंगल  
 ९ **सम्पूर्ण योगविद्या (कव्हर शेष है)**  
 १० सांख्यदर्शन  
 ११ वेदान्तदर्शन

**व्याकरण**

- १ आओ प्राकृत सीखें = ०१  
 २ आओ प्राकृत सीखें = ०२  
 ३ आओ संस्कृत सीखें = ०१  
 ४ आओ संस्कृत सीखें = ०२  
 ५ अपभ्रंश व्याकरण  
 ६ बृहद अनुवाद चन्द्रिका  
 ७ धातु रत्नाकर = ०१ (वॉटर मार्क है।)  
 ८ धातु रत्नाकर = ०२ (वॉटर मार्क है।)  
 ९ धातु रत्नाकर = ०३ (वॉटर मार्क है।)  
 १० धातु रत्नाकर = ०४ (वॉटर मार्क है।)  
 ११ धातु रत्नाकर = ०५ (वॉटर मार्क है।)

१२	लघु सिद्धान्त कौमुदी = ०१
१३	लघु सिद्धान्त कौमुदी = ०२
१४	लघु सिद्धान्त कौमुदी = ०३
१५	लघु सिद्धान्त कौमुदी = ०४
१६	लघु सिद्धान्त कौमुदी = ०५
१७	लघु सिद्धान्त कौमुदी = ०६
१८	नवीन अनुवाद चन्द्रिका
१९	प्राकृत व्याकरण = ०१
२०	प्राकृत व्याकरण = ०२
२१	प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी
२२	प्रौढ़ रचनानुवाद कौमुदी
२३	रचनानुवाद कौमुदी
२४	संस्कृत स्वयं शिक्षक = ०१
२५	संस्कृत स्वयं शिक्षक = ०२, ०३

## कुल ग्रन्थ

इतिहास	०१७
कोश	०८०
शोधप्रबन्ध	०७५
विशिष्ट साहित्य	०११
व्याकरण	०२५

## ८०० ग्रन्थ

### चरणानुयोग

- १ आचारसार (मूल)
- २ आराधनासमुच्चयं-योगसारसंग्रह
- ३ आराधना समुच्चय
- ४ आराधनासार (भाषा टीका)
- ५ आराधनास्वरूप
- ६ अमितगति-श्रावकाचार
- ७ अनगार धर्मातृत
- ८ भगवती आराधना = ०१
- ९ भगवती आराधना = ०२
- १० दानशासनम्
- ११ धर्मसंग्रह श्रावकाचार
- १२ क्रियाकलाप
- १३ लाटीसंहिता
- १४ मूलाचार = ०१
- १५ मूलाचार = ०२
- १६ प्रबोधसार तत्त्वदर्शन
- १७ पुरुषार्थसिद्धयुपाय (मुन्नालाल जी)
- १८ पुरुषार्थसिद्धयुपाय (मखनलाल जी)
- १९ रत्नकरण्ड श्रावकाचार (सटीक)
- २० रत्नकरण्ड श्रावकाचार (टीका)
- २१ रत्नकरण्ड श्रावकाचार (वचनिका)
- २२ रत्नत्रय चन्द्रिका
- २३ रयणसार
- २४ सागार धर्मातृतम्
- २५ समाधिमरणोत्साह-दीपक
- २६ समीचीन-धर्मशास्त्र
- २७ सम्यक्चारित्र-चिन्तामणि
- २८ सावयधम्मदोहा
- २९ श्रावकाचार संग्रह = ०१
- ३० श्रावकाचार संग्रह = ०२
- ३१ श्रावकाचार संग्रह = ०३
- ३२ श्रावकाचार संग्रह = ०४
- ३३ श्रावकाचार संग्रह = ०५
- ३४ श्रावकधर्मप्रदीप
- ३५ त्रैवर्णिकाचार
- ३६ उपासकाध्ययन
- ३७ वसुनन्दी श्रावकाचार
- ३८ विमलज्ञान प्रबोधिनी टीका



- ३९ विमल भक्तिसंग्रह  
 ४० व्रत-तिथि-निर्णय  
 ४१ यतिक्रियामंजरी

ध्यान

- १ अध्यात्म रहस्य  
 २ अध्यात्म तरंगिणी  
 ३ अमृताशीति  
 ४ ध्यानसूत्राणि  
 ५ ध्यानस्तव  
 ६ ज्ञानार्णव  
 ७ णाणसार  
 ८ सुधर्मध्यानप्रदीप  
 ९ तत्त्वानुशासन  
 १० तत्त्वसार

द्रव्यानुयोग

- १ आस्रव त्रिभंगी  
 २ अध्यात्म कमलमार्तण्ड  
 ३ अध्यात्म अमृत कलश  
 ४ अध्यात्म पंचसंग्रह  
 ५ अध्यात्मसूत्र (सार्थ)  
 ६ अंगपण्णत्ति  
 ७ अर्थप्रकाशिका  
 ८ अष्टपाहुड वचनिका  
 ९ अष्टपाहुड  
 १० भावनासार  
 ११ भावसंग्रहादि  
 १२ भावसंग्रह (देवसेन)  
 १३ भावसंग्रह (वामदेव)  
 १४ भावत्रिभंगी  
 १५ बृहद् द्रव्यसंग्रह  
 १६ चौबीसस्थान चर्चा  
 १७ चौतीस स्थानदर्शन  
 १८ दर्शनसार  
 १९ धवला = ०१  
 २० धवला = ०२  
 २१ धवला = ०३  
 २२ धवला = ०४  
 २३ धवला = ०५  
 २४ धवला = ०६  
 २५ धवला = ०७  
 २६ धवला = ०८

- २७ धवला = ०९  
 २८ धवला = १०  
 २९ धवला = ११  
 ३० धवला = १२  
 ३१ धवला = १३  
 ३२ धवला = १४  
 ३३ धवला = १५  
 ३४ धवला = १६  
 ३५ द्रव्यसंग्रह (सटीक)  
 ३६ द्रव्यसंग्रह  
 ३७ गोम्मटसार जीवकाण्ड = ०१  
 ३८ गोम्मटसार जीवकाण्ड = ०२  
 ३९ गोम्मटसार जीवकाण्ड  
 ४० गोम्मटसार कर्मकाण्ड = ०१  
 ४१ गोम्मटसार कर्मकाण्ड = ०२  
 ४२ गोम्मटसार कर्मकाण्ड  
 ४३ जयधवला = ०१  
 ४४ जयधवला = ०२  
 ४५ जयधवला = ०३  
 ४६ जयधवला = ०४  
 ४७ जयधवला = ०५  
 ४८ जयधवला = ०६  
 ४९ जयधवला = ०७  
 ५० जयधवला = ०८  
 ५१ जयधवला = ०९  
 ५२ जयधवला = १०  
 ५३ जयधवला = ११  
 ५४ जयधवला = १२  
 ५५ जयधवला = १३  
 ५६ जयधवला = १४  
 ५७ जयधवला = १५  
 ५८ जयधवला = १६  
 ५९ कर्मप्रकृति (सटीक)  
 ६० कर्मप्रकृति  
 ६१ कर्मविपाक  
 ६२ कार्तिकेयानुप्रेक्षा वचनिका  
 ६३ कार्तिकेयानुप्रेक्षा  
 ६४ कुन्दकुन्दप्राभृत संग्रह  
 ६५ कुन्दकुन्द भारती  
 ६६ लब्धिसार (क्षपणासारगर्भित)  
 ६७ लब्धिसार = ०१

- ६८ लब्धिसार = ०२  
 ६९ महाबंधो = ०१  
 ७० महाबंधो = ०२  
 ७१ महाबंधो = ०३  
 ७२ महाबंधो = ०४  
 ७३ महाबंधो = ०५  
 ७४ महाबंधो = ०६  
 ७५ महाबंधो = ०७  
 ७६ नाटक समयसार  
 ७७ नियमसार प्राभृत  
 ७८ नियमसार  
 ७९ पाहुडदोहा  
 ८० पंचसंग्रह  
 ८१ पंचास्तिकाय  
 ८२ पंचास्तिकाय दीपिका  
 ८३ पंचास्तिकाय प्राभृत  
 ८४ प्रभाचन्द्र का तत्त्वार्थसूत्र  
 ८५ परमात्मप्रकाश  
 ८६ प्रवचनसार (पद्य)  
 ८७ प्रवचनसार = ०१  
 ८८ प्रवचनसार = ०२  
 ८९ प्रवचनसार = ०३  
 ९० प्रवचनसार  
 ९१ प्रवचनसार सप्तदशांगी टीका  
 ९२ समाधितन्त्र और इष्टोपदेश  
 ९३ समाधितन्त्र  
 ९४ समयसार = ०१  
 ९५ समयसार = ०२  
 ९६ समयसार  
 ९७ समयसार नाटक  
 ९८ सम्यग्ज्ञान चन्द्रिका = ०१  
 ९९ सम्यग्ज्ञान चन्द्रिका = ०२  
 १०० सम्यग्ज्ञान चन्द्रिका = ०३  
 १०१ सर्वार्थसिद्धि  
 १०२ सर्वार्थसिद्धिवृत्ति = ०१  
 १०३ सर्वार्थसिद्धिवृत्ति = ०२  
 १०४ सर्वार्थसिद्धिवृत्ति = ०३  
 १०५ सर्वार्थसिद्धि वचनिका  
 १०६ सत्प्ररूपणासूत्र  
 १०७ षट्खण्डागम = ०१  
 १०८ षट्खण्डागम = ०२

- १०९ षट्खण्डागम = ०३  
 ११० षट्खण्डागम = ०४  
 १११ षट्खण्डागम = ०५  
 ११२ षट्खण्डागम = ०६  
 ११३ षट्खण्डागम = ०७  
 ११४ षट्खण्डागम = ०८  
 ११५ षट्खण्डागम = ०९  
 ११६ षट्खण्डागम = १०  
 ११७ षट्खण्डागम = ११  
 ११८ षट्खण्डागम = १२  
 ११९ षट्खण्डागम  
 १२० श्लोकवार्तिक = ०१  
 १२१ श्लोकवार्तिक = ०२  
 १२२ श्लोकवार्तिक = ०३  
 १२३ श्लोकवार्तिक = ०४  
 १२४ श्लोकवार्तिकालंकार = ०१  
 १२५ श्लोकवार्तिकालंकार = ०२  
 १२६ श्लोकवार्तिकालंकार = ०३  
 १२७ श्लोकवार्तिकालंकार = ०४  
 १२८ श्लोकवार्तिकालंकार = ०५  
 १२९ श्लोकवार्तिकालंकार = ०६  
 १३० श्लोकवार्तिकालंकार = ०७  
 १३१ सिद्धान्तसार संग्रह  
 १३२ सिद्धान्तसारादि संग्रह  
 १३३ तत्त्वभावना  
 १३४ तत्त्वार्थ श्लोकवार्तिकम्  
 १३५ तत्त्वार्थमंजूषा = ०१  
 १३६ तत्त्वार्थमंजूषा = ०२  
 १३७ तत्त्वार्थसार  
 १३८ तत्त्वार्थवार्तिकम् = ०१  
 १३९ तत्त्वार्थवार्तिकम् = ०२  
 १४० तत्त्वार्थवृत्ति (भास्करनन्दी जी-संस्कृत)  
 १४१ तत्त्वार्थवृत्ति (भास्करनन्दी जी)  
 १४२ तत्त्वार्थवृत्ति (श्रुतसागर जी)  
 १४३ तत्त्वार्थराजवार्तिकम्  
 १४४ तत्त्वार्थसूत्र निकष  
 १४५ तत्त्वार्थसूत्र (रेखाचित्र)  
 १४६ तत्त्वार्थवार्तिकम् (मूल)  
 १४७ तत्त्वसार टीका  
 १४८ तत्त्वानुशासनादि संग्रह  
 १४९ उपयोग-शतकम्

- १५० योगसार  
१५१ योगसारप्राभृत

इतिहास

- १ अग्रवाल जाति का इतिहास  
२ भारत के दिगम्बर जैन तीर्थ = ०१  
३ भारत के दिगम्बर जैन तीर्थ = ०२  
४ भारत के दिगम्बर जैन तीर्थ = ०३  
५ भारत के दिगम्बर जैन तीर्थ = ०४  
६ भारत के दिगम्बर जैन तीर्थ = ०५  
७ भट्टारक सम्प्रदाय  
८ हिन्दी जैनसाहित्य का संक्षिप्त इतिहास  
९ जैनधर्म का प्राचीन इतिहास = ०१  
१० जैनधर्म का प्राचीन इतिहास = ०२  
११ जैन ग्रन्थ प्रशस्ति संग्रह = ०१  
१२ जैन ग्रन्थ प्रशस्ति संग्रह = ०२  
१३ जैनसाहित्य और इतिहास पर विशद प्रकाश  
१४ जैन शिलालेख संग्रह = ०१  
१५ जैन शिलालेख संग्रह = ०२  
१६ जैन शिलालेख संग्रह = ०३  
१७ जैन शिलालेख संग्रह = ०४  
१८ जैन शिलालेख संग्रह = ०५  
१९ खण्डेलवान जैन समाज का बृहद् इतिहास  
२० मूलतान दिगम्बर जैन-----  
२१ परवार जैन समाज का इतिहास  
२२ पल्लिवाल जैन इतिहास  
२३ प्रमुख ऐतिहासिक जैन पुरुष और महिलार्ये  
२४ शाकम्बरी प्रदेश के -----  
२५ श्रुतावतार  
२६ तीर्थंकर महावीर और उनकी आचार्य-परम्परा = ०१  
२७ तीर्थंकर महावीर और उनकी आचार्य-परम्परा = ०२  
२८ तीर्थंकर महावीर और उनकी आचार्य-परम्परा = ०३  
२९ तीर्थंकर महावीर और उनकी आचार्य-परम्परा = ०४  
३० उड़िसा में जैनधर्म  
३१ वीरशासन के प्रभावक आचार्य

ज्योतिष-मन्त्र-आयुर्वेद-कला

- १ भद्रबाहु संहिता  
२ भद्रबाहु संहिता (क्षेमोदय टीका)  
३ घण्टाकर्ण मन्त्रकल्प  
४ जैन ज्योतिष  
५ जैन कला एवं स्थापत्य = ०१  
६ जैन कला एवं स्थापत्य = ०२

- ७ जैन कला एवं स्थापत्य = ०३
- ८ कल्याणकारकम्
- ९ लघु विद्यानुवाद
- १० लोकविजय यन्त्र
- ११ गमोकार मन्त्रकल्प
- १२ निमित्तशास्त्रम्
- १३ रिष्ट समुच्चय
- १४ श्री भैरव पद्मावतीकल्प
- १५ श्री ज्वालामालिनी कल्प
- १६ यन्त्र-मन्त्र-तन्त्रविद्या

करणानुयोग

- १ गणितसार संग्रह
- २ करणानुयोग दीपक = ०१
- ३ करणानुयोग दीपक = ०२
- ४ करणानुयोग दीपक = ०३
- ५ करणानुयोग प्रवेशिका
- ६ लोकविभाग
- ७ सिद्धान्तसार दीपक
- ८ तिलोपण्णति = ०१
- ९ तिलोपण्णति = ०२
- १० तिलोपण्णति = ०३
- ११ त्रिलोक भास्कर
- १२ त्रिलोकसार = (सटीक)
- १३ त्रिलोकसार

कोश

- १ अपभ्रंश महाकवि स्वयम्भू के---
- २ बनारसी नाममाला
- ३ धनंजय नाममाला
- ४ जैन पुराणकोश
- ५ जैनेन्द्र लक्षणावली = ०१
- ६ जैनेन्द्र लक्षणावली = ०२
- ७ जैनेन्द्र लक्षणावली = ०३
- ८ जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश = ०१
- ९ जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश = ०२
- १० जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश = ०३
- ११ जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश = ०४
- १२ जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश = ०५
- १३ कुन्दकुन्द शब्दकोश
- १४ पउमचरित का क्रियाकोश
- १५ व्रतकथाकोश
- १६ विश्वलोचनकोश

न्याय

- १ आलापपद्धति
- २ आप्तमीमांसा और प्रमाणपरीक्षा
- ३ आप्तपरीक्षा
- ४ आप्तमीमांसा की तत्त्वदीपिका
- ५ आप्तमीमांसा
- ६ आप्तमीमांसा-प्रमाणपरीक्षा
- ७ अकलंकग्रन्थत्रयम्
- ८ अष्टसहस्री = ०१
- ९ अष्टसहस्री = ०२
- १० अष्टसहस्री = ०३
- ११ देवागम
- १२ लघुतत्त्वस्फोट
- १३ नयचक्र
- १४ नयदर्पण
- १५ न्यायकुमुदचन्द्र = ०१
- १६ न्यायकुमुदचन्द्र = ०२
- १७ न्यायविनिश्चय विवरण = ०१
- १८ न्यायविनिश्चय विवरण = ०२
- १९ न्यायदीपिका
- २० प्रमाणनिर्णय
- २१ प्रमाणप्रमेयकलिका
- २२ प्रमाप्रमेय
- २३ प्रमेयकमलमार्तण्ड = ०१
- २४ प्रमेयकमलमार्तण्ड = ०२
- २५ प्रमेयकमलमार्तण्ड = ०३
- २६ प्रमेयकण्ठिका
- २७ प्रमेयरत्नालंकार
- २८ प्रमेयकमलमार्तण्ड = (मूल)
- २९ प्रमेयरत्नमाला
- ३० सप्तभंगीतरंगिणी
- ३१ सत्यशासन-परीक्षा
- ३२ सिद्धिविनिश्चय- ०१
- ३३ सिद्धिविनिश्चय- ०२
- ३४ विश्वतत्त्वप्रकाश
- ३५ युक्त्यनुशासन
- ३६ युक्त्यनुशासन टीका
- ३७ युक्त्यनुशासन = ०१
- ३८ युक्त्यनुशासन = ०२
- ३९ लघीयस्त्रय
- ४० लघीयस्त्रयादिसंग्रह

पाठ्यसाहित्य

- १ ४० जैनव्रत कथासंग्रह
- २ आचार्य कुन्दकुन्द
- ३ आचार्य अजितसेनकृत अलंकारचिन्तामणि--
- ४ आचार्य ज्ञानसागर महाराज की साहित्य साधना
- ५ आचार्य ज्ञानसागर के वाङ्मय में नय-निरूपण
- ६ आचार्य कुन्दकुन्द और उनका साहित्य
- ७ आचार्य कुन्दकुन्द: द्रव्य-विचार
- ८ आधुनिक जैनकवि
- ९ आदिपुराण में प्रतिपादित भारत
- १० आचार्य सोमकीर्ति एवं ब्रह्म यशोधर
- ११ अहिंसा-प्रदीप
- १२ अकिंचित्कर एक अनुशीलन
- १३ अकिंचित्कर
- १४ अलंकार चिन्तामणि
- १५ अपभ्रंश भाषा और साहित्य
- १६ अपभ्रंश कथाकाव्य एवं हिन्दी प्रेमाख्यानक
- १७ भक्तामर कथा
- १८ भारतीय संस्कृति में जैनधर्म
- १९ भारतीय योगपरम्परा और ज्ञान-----
- २० भावलिंगी और द्रव्यलिंगी मुनि का स्वरूप
- २१ बुन्देलखण्ड के जैन मन्दिर : सांस्कृतिक अध्ययन
- २२ चित्तेश्वरों के महावीर
- २३ दौलतविलास
- २४ दिगम्बर जैन साधु परिचय
- २५ दिगम्बरत्व का वैभव
- २६ दिगम्बरत्व और दिगम्बर मुनि
- २७ ग्रन्थनामावलि
- २८ हिन्दी-जैन-साहित्य-परिशीलन = ०१
- २९ हिन्दी-जैन-साहित्य-परिशीलन = ०२
- ३० जैन भक्तिकाव्य की पृष्ठभूमि
- ३१ जैन दर्शन और विज्ञान
- ३२ जैनदर्शन गणित
- ३३ जैन दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त
- ३४ जैन दर्शन
- ३५ जैनधर्म की उदारता
- ३६ जैनसमाज का हास क्यों?
- ३७ जैन हिन्दी पूजा काव्य : परम्परा और आलोचना
- ३८ जैन कर्मसिद्धान्त और मनोविज्ञान की भाषा
- ३९ जैन कथासाहित्य विविध रूपों में
- ४० जैन निबन्धरत्नावली = ०१



- ४१ जैन निबन्धरत्नावली = ०२  
 ४२ जैन-न्याय को आचार्य अकलंकदेव का अवदान  
 ४३ जैन न्याय  
 ४४ जैन साहित्य में कृष्ण  
 ४५ जैनशासन  
 ४६ जैन शोध और समीक्षा  
 ४७ जैनतर्कशास्त्र में अनुमानविचार ऐतिहासिक----  
 ४८ जैन तीर्थयात्रा  
 ४९ जैनविवाहविधि  
 ५० जैनाचार्य रविषेणकृत पद्मपुराण और तुलसीकृत--  
 ५१ जैनदर्शन और प्रमाणशास्त्र परिशीलन  
 ५२ जैनधर्म में भाग्य और पुरुषार्थ  
 ५३ जिनेन्द्रपूजन : एक अनुचिन्तन  
 ५४ कन्नडप्रान्तीय ताडपत्रीय ग्रन्थसूची  
 ५५ कविवर बूचराज एवं उनके समकालीन कवि  
 ५६ कविवर बुधजन व्यक्तित्व एवं कृतित्व  
 ५७ कविवर बुलाखीचन्द्र, बुलाकीदास एवं हेमराज---  
 ५८ कविवर रत्नाकर  
 ५९ कुन्दकुन्दाचार्य के तीन रत्न  
 ६० मध्यकालीन हिन्दी जैनकाव्य में--  
 ६१ महाकवि ब्रह्म जिनदास व्यक्तित्व एवं कृतित्व  
 ६२ महाकवि रायमल्ल एवं भट्टारक----  
 ६३ महावीर का सर्वोदयी तीर्थ  
 ६४ मंगलमन्त्र णमोकार एक अनुचिन्तन  
 ६५ मूकमाटी  
 ६६ मुनि सभाचन्द्र एवं उनका पद्मपुराण  
 ६७ नमस्कार महामन्त्र  
 ६८ न्यायकुमुदचन्द्र परिशीलन  
 ६९ नेमिनिर्वाण एक अध्ययन  
 ७० नीतिवाक्यामृत = ०१  
 ७१ नीतिवाक्यामृत = ०२  
 ७२ पद्मचरित में प्रतिपादित भारतीय संस्कृति  
 ७३ पद्मावती पुरवाल दिगम्बर जैन जाति-----  
 ७४ पं. आशाधर व्यक्तित्व और कर्तृत्व  
 ७५ प. रतनचन्द्र जैन मुख्तार व्यक्तित्व और---०१  
 ७६ प. रतनचन्द्र जैन मुख्तार व्यक्तित्व और---०२  
 ७७ पं. टोडरमल: व्यक्तित्व और कर्तृत्व  
 ७८ प्राकृत कथासाहित्य परिशीलन  
 ७९ पिच्छि-कमण्डलु  
 ८० प्रमेयकमलमार्तण्ड परिशीलन  
 ८१ प्रसिद्ध विद्वान एवं समाजसेवी--

- ८२ प्रथमानुयोग दीपिका  
 ८३ सभाष्य रत्नमंजूषा  
 ८४ सत्त्वे देव का स्वरूप  
 ८५ सागारधर्म-सोपान  
 ८६ समयसार का दार्शनिक चिन्तन  
 ८७ संस्कृत गीतिकाव्य का विकास  
 ८८ संस्कृत काव्य के विकास में जैन-----  
 ८९ सर्वोदयी जैनतन्त्र  
 ९० शान्तिपथप्रदर्शन  
 ९१ षट्खण्डागम परिशीलन  
 ९२ सिद्धान्तसमीक्षा = ०१  
 ९३ सिद्धान्तसमीक्षा = ०२  
 ९४ तीर्थकर  
 ९५ वाग्भट्टालंकार  
 ९६ विचार एवं वितर्क का वैज्ञानिक--  
 ९७ वीतरागता एक समीचीन दृष्टि  
 ९८ यशस्तिलक का सांस्कृतिक अध्ययन  
 ९९ युगवीर निबन्धावली = ०१  
 १०० युगवीर निबन्धावली = ०२

प्रतिष्ठा-पूजन-विधान

- १ अभिनव सोलहकारण विधान  
 २ अभिषेक पाठ-संग्रह  
 ३ अनुबद्ध केवली विधान  
 ४ बीस तीर्थकर विधान  
 ५ भगवान बाहुबली विधान  
 ६ भगवान मुनिसुव्रतनाथ विधान  
 ७ भक्तामर मण्डल विधान  
 ८ बृहत निर्वाणविधान  
 ९ चौसठ ऋद्धि पूजा विधान  
 १० दसलक्षण विधान  
 ११ ढाई द्वीप विधान  
 १२ गणधरवल्य विधान  
 १३ ज्ञानपीठ पूजांजलि  
 १४ हीं बीजाक्षर विधान  
 १५ जैनव्रतविधान संग्रह  
 १६ जम्बूद्वीप मण्डल विधान  
 १७ जम्बूद्वीप पूजांजलि  
 १८ जम्बूद्वीप विधान (लघु)  
 १९ जिनधर्म विधान  
 २० जिनगुणसम्पत्ति विधान  
 २१ जिनवाणी संग्रह

- २२ ज्योतिर्लोक जिनालय विधान  
 २३ महावीर समवसरण विधान  
 २४ मन्दिर-वेदीप्रतिष्ठा-कलशारोहणविधि  
 २५ मंगलशान्ति विधान  
 २६ मनोकामनासिद्धि विधान  
 २७ नन्दीश्वर विधान  
 २८ नवदेवता विधान (बृहत्)  
 २९ नवदेवता विधान  
 ३० नवग्रह शान्ति विधान  
 ३१ नवीन महावीरकीर्तन  
 ३२ नवनिधि विधान  
 ३३ नवरात्रि पूजा विधान  
 ३४ नित्य नियम पूजन  
 ३५ पंचबालयति विधान  
 ३६ पंचविधान संग्रह  
 ३७ पंचकल्याणक तीर्थक्षेत्र विधान  
 ३८ पंचमेरु और नन्दीश्वर विधान  
 ३९ पंचमेरु विधान  
 ४० पंचपरमेष्ठी विधान  
 ४१ प्रतिष्ठाप्रदीप  
 ४२ प्रतिष्ठासारोद्धार  
 ४३ पूजनरत्नाकर  
 ४४ पूजनपाठ  
 ४५ पूजापाठ  
 ४६ पुण्यास्रव विधान  
 ४७ रक्षाबन्धन विधान  
 ४८ सहस्रनाम विधान  
 ४९ समवसरण स्तूप विधान  
 ५० सम्मेदशिखर विधान  
 ५१ सर्व गणधरदेव विधान  
 ५२ सर्वविघ्नहर श्री शान्तिनाथ विधान  
 ५३ सर्वोपद्रवनिवारक श्री पार्श्वनाथ विधान  
 ५४ सात सौ बीस तीर्थकर विधान  
 ५५ श्री अभिनन्दननाथ विधान  
 ५६ श्री अजितनाथ विधान  
 ५७ श्री अनन्तनाथ विधान  
 ५८ श्री अरनाथ विधान  
 ५९ श्री भैरवपद्मावती विधान  
 ६० श्री चैत्यभक्ति विधान  
 ६१ श्री चन्दनषष्ठी विधान  
 ६२ श्री चन्द्रप्रभ विधान

- ६३ श्री धर्मचक्र विधान  
 ६४ श्री धर्मनाथ विधान  
 ६५ श्री जिनसहस्रनाम विधान  
 ६६ श्री कुन्धुनाथ विधान  
 ६७ श्री महर्षि विधान  
 ६८ श्री महावीरस्वामी विधान  
 ६९ श्री महावीर विधान  
 ७० श्री मोक्षशारत्र विधान  
 ७१ श्री नमिनाथ तीर्थकर विधान  
 ७२ श्री पद्मप्रभ विधान  
 ७३ श्री पार्श्वनाथ समवसरण विधान  
 ७४ श्री पुष्पदन्तनाथ विधान  
 ७५ श्री रत्नत्रय मण्डल विधान  
 ७६ श्री रत्नत्रय पूजा विधान  
 ७७ श्री रविव्रत विधान  
 ७८ श्री ऋषभदेव विधान (बृहत्)  
 ७९ श्री ऋषभदेव विधान (लघु)  
 ८० श्री ऋषिमण्डल मन्त्रकल्प पूजा  
 ८१ श्री शान्तिभक्ति विधान  
 ८२ श्री शान्तिनाथ मण्डल विधान  
 ८३ श्री शान्तिनाथ समवसरण विधान  
 ८४ श्री षट्खण्डागम विधान  
 ८५ श्री शीतलनाथ विधान  
 ८६ श्री श्रेयांसनाथ विधान  
 ८७ श्री सिद्धचक्र विधान  
 ८८ श्री सुमतिनाथ विधान  
 ८९ श्री त्रिकाल चौबीसी विधान  
 ९० श्री वर्तमान जिनचतुर्विंशति पूजा विधान  
 ९१ श्री वास्तु विधान  
 ९२ श्री वासुपूज्य विधान  
 ९३ श्री विमलनाथ विधान  
 ९४ श्री विषापहार विधान  
 ९५ श्रुतरस्कन्ध विधान  
 ९६ तीन लोक विधान  
 ९७ तीस चौबीसी विधान  
 ९८ तेरहद्वीप पूजा विधान  
 ९९ तेरहद्वीप विधान  
 १०० तीर्थकर श्री मुनिसुव्रतनाथ विधान  
 १०१ त्रैलोक्य विधान  
 १०२ त्रिभुवनतिलक विधान  
 १०३ त्रिकाल चौबीसी विधान

- १०४ तीर्थकर धर्मचक्र विधान  
 १०५ विदेहक्षेत्रस्थ विंशति-----  
 १०६ विशद अभिनन्दनाथ विधान  
 १०७ विशद अजितनाथ विधान  
 १०८ विशद अनन्तव्रत विधान  
 १०९ विशद अनन्तनाथ विधान  
 ११० विशद अरनाथ विधान  
 १११ विशद अर्हदधर्मचक्र विधान  
 ११२ विशद अर्हत महिमा विधान  
 ११३ विशद अष्टापद---विधान  
 ११४ विशद चन्दनषष्ठी विधान  
 ११५ विशद चौंसठ ऋद्धि विधान  
 ११६ विशद चैत्यभक्ति विधान  
 ११७ विशद चौबीस तीर्थकर विधान  
 ११८ विशद दसलक्षण विधान  
 ११९ विशद एकीभाव स्तोत्र विधान  
 १२० विशद गणधरवलय विधान (लघु)  
 १२१ विशद गणधरवलय विधान पूजा (बृहत्)  
 १२२ विशद जम्बूरवामी विधान  
 १२३ विशद जिनसहस्रनाम विधान (बृहत्)  
 १२४ विशद कल्पद्रुम महामण्डल विधान  
 १२५ विशद कर्मनिर्झर विधान  
 १२६ विशद क्षायिक नवलब्धि विधान  
 १२७ विशद माँ पद्मावती विधान  
 १२८ विशद महामृत्युंजय विधान  
 १२९ विशद मल्लिनाथ विधान  
 १३० विशद मंगलत्रयोदशी व्रतपूजा  
 १३१ विशद मनोकामनापूर्ण शान्तिनाथ विधान  
 १३२ विशद मौन एकादशी विधान  
 १३३ विशद मृत्युंजय विधान (लघु)  
 १३४ विशद मुनिसुव्रतनाथ विधान  
 १३५ विशद णमोकार विधान  
 १३६ विशद णमोकार महामण्डल विधान  
 १३७ विशद नन्दीश्वर विधान (बृहत्)  
 १३८ विशद नवदेवता विधान (लघु)  
 १३९ विशद निर्वाणभक्ति विधान  
 १४० विशद पंचकल्याणकप्रतिष्ठा विधान पूजन  
 १४१ विशद पंचपरमेष्ठी विधान  
 १४२ विशद पंचविधान संग्रह  
 १४३ विशद पुण्यास्रव विधान  
 १४४ विशद पुरन्दर व्रत विधान

- १४५ विशद ऋद्धिसिद्धिप्रदायक पद्मप्रभ विधान  
 १४६ विशद ऋषिमण्डल विधान  
 १४७ विशद समवसरण महामण्डल विधान  
 १४८ विशद सम्यग्ज्ञान विधान  
 १४९ विशद सम्यक् आराधना महामण्डल विधान  
 १५० विशद संकटमोचन श्री शान्तिनाथ विधान  
 १५१ विशद साप्ताहिक विधान  
 १५२ विशद सर्वमंगलदायक श्री आदिनाथ पूजन विधान  
 १५३ विशद शान्तिविधान (लघु)  
 १५४ विशद शान्तिभक्ति विधान  
 १५५ विशद शिखरजी विधान  
 १५६ विशद श्री अनन्तनाथ विधान  
 १५७ विशद श्री चतुर्विंशति तीर्थकर विधान  
 १५८ विशद श्री धर्मनाथ विधान  
 १५९ विशद श्री दिगम्बर जैन----विधान  
 १६० विशद श्री कल्याणमन्दिर स्तोत्र विधान  
 १६१ विशद श्री महावीर समवसरण विधान  
 १६२ विशद श्री निर्वाणक्षेत्र विधान  
 १६३ विशद श्री पार्श्वनाथ पंचकल्याणक विधान  
 १६४ विशद श्री सरस्वती मण्डल विधान  
 १६५ विशद श्री सर्वदोषप्रायश्चित्त विधान  
 १६६ विशद श्री शान्ति-कुन्धु-अरनाथ तीर्थकर पूजन विधान  
 १६७ विशद सोलहकारण विधान  
 १६८ विशद सुमतिनाथ विधान  
 १६९ विशद स्वयम्भूस्तोत्र विधान (लघु)  
 १७० विशद तत्त्वार्थसूत्र विधान (लघु)  
 १७१ विशद त्रिकाल तीर्थकर विधान  
 १७२ विशद वास्तु विधान  
 १७३ विशद विषापहार महामण्डल स्तोत्र विधान  
 १७४ विशद विधानसंग्रह = १  
 १७५ विशद विधानसंग्रह = २  
 १७६ विशद विजयश्री विधान  
 १७७ व्रतवैभव = ०१  
 १७८ व्रतवैभव = ०२  
 १७९ व्रतवैभव = ०३  
 १८० व्रतवैभव = ०४  
 १८१ यागमण्डल विधान (लघु)

प्रथमानुयोग

- १ आदिपुराण = ०१  
 २ आदिपुराण = ०२  
 ३ आराधना कथाकोश

- ४ आराधना कथाप्रबन्ध
- ५ अमरसेन चरित
- ६ अंजनापवनंजय नाटकम्
- ७ भद्रबाहु चरित्र
- ८ भद्रबाहु-चाणक्य-चन्द्रगुप्त
- ९ भक्तामरकथा
- १० भविसयत्त कहा
- ११ बृहत्कथाकोश
- १२ चन्द्रप्रभ चरितम्
- १३ चंदप्पहचरित
- १४ चारित्रचक्रवर्ती
- १५ दयोदय चम्पू
- १६ धम्मकहा
- १७ धम्मपरीक्खा
- १८ धर्माभूत
- १९ धर्मपरीक्षा
- २० धर्मशर्माभ्युदय
- २१ द्विसन्धानमहाकाव्य
- २२ गद्यचिन्तामणि
- २३ गौतमचरित्र
- २४ हरिवंश पुराण
- २५ हरिवंश पुराणु
- २६ हरिवंश पुराण = मूल = ०१
- २७ हरिवंश पुराण = मूल = २
- २८ जंबूसामिचरित
- २९ जसहरचरित
- ३० जयोदय = ०१
- ३१ जयोदय = ०२
- ३२ जीवन्धरचम्पू
- ३३ कहाकोसु
- ३४ करकंडचरित
- ३५ मदनजुद्धकाव्य
- ३६ मदनपराजय
- ३७ महापुराण = ०१
- ३८ महापुराण = ०२
- ३९ महापुराण = ०३
- ४० महापुराण = ०४
- ४१ महापुराण = ०५
- ४२ महावीर पुराण
- ४३ मैथिलीकल्याणम्
- ४४ मङ्कलेहाचरित

- ४५ मल्लिनाथ पुराण  
 ४६ मयणपराजय चरित  
 ४७ मेरुमन्दर पुराण  
 ४८ नागकुमार चरित  
 ४९ नेमिनाथ पुराण  
 ५० पद्मचरितम् = ०१  
 ५१ पद्मचरितम् = ०२  
 ५२ पद्मचरितम् = ०३  
 ५३ पद्मपुराण = ०१  
 ५४ पद्मपुराण = ०२  
 ५५ पद्मपुराण = ०३  
 ५६ पद्मपुराण वचनिका  
 ५७ पद्मपुराण  
 ५८ पाण्डवपुराण  
 ५९ पार्श्वपुराण  
 ६० पार्श्वनाथचरित्र  
 ६१ पासणाह चरित  
 ६२ पउम चरित = ०१  
 ६३ पउम चरित = ०२  
 ६४ पउम चरित = ०३  
 ६५ पउम चरित = ०४  
 ६६ पउम चरित = ०५  
 ६७ प्रभंजन चरित  
 ६८ प्रद्युम्न चरित्र  
 ६९ पुण्यास्रव कथाकोश  
 ७० पुराणसार संग्रह = ०१  
 ७१ पुराणसार संग्रह = ०२  
 ७२ पुरुदेव चम्पू (मूल)  
 ७३ पुरुदेव चम्पूप्रबन्ध  
 ७४ सप्तव्यसन चरित्र  
 ७५ शान्तिनाथ पुराण  
 ७६ श्री जम्बूवामी चरित्र  
 ७७ श्री मुनिसुव्रतकाव्यम्  
 ७८ श्री रोहिणीव्रतकथा  
 ७९ श्रीपाल चरित्र  
 ८० श्रेणिक चरित्र  
 ८१ सिरिवालचरित  
 ८२ सुदंसणचरित  
 ८३ सुदर्शनचरितम् (मूल)  
 ८४ सुदर्शन चरित्र (विद्यानन्दी जी)  
 ८५ सुदर्शनोदय



- ८६ सुगन्धदशमी कथा  
 ८७ उत्तरपुराण  
 ८८ वड्डमाणचरित  
 ८९ वरांगचरित  
 ९० वरांगचरित (मूल)  
 ९१ वरांगचरित (पद्य)  
 ९२ वर्द्धमान पुराण  
 ९३ वर्द्धमान चरित्र  
 ९४ वीरजिणिंदचरित  
 ९५ वीरोदय  
 ९६ विक्रान्त कौरवम्  
 ९७ यशस्त्रिलक चम्पू = ०१  
 ९८ यशस्त्रिलक चम्पू = ०२  
 ९९ यशोधरचरितम् (वादिराज जी)  
 १०० यशोधरचरितम् (सकलकीर्ति जी)

स्तोत्र

- १ बृहत स्वयम्भरस्तोत्रम्  
 २ जिनसहस्रनाम स्तोत्र  
 ३ जिनसहस्रनाम  
 ४ कल्याणकल्पतरुस्तोत्रम्  
 ५ नित्य स्तोत्रपाठ संग्रह  
 ६ पंचस्तोत्रसंग्रह  
 ७ श्री निर्वाण लक्ष्मीपति स्तोत्र  
 ८ श्रीपुरपार्श्वनाथ स्तोत्र  
 ९ स्तोत्रादिसंग्रह  
 १० स्तुतिविद्या

उपदेश

- १ अनेकान्तरसलहरी  
 २ अनित्यपंचाशत्  
 ३ अनुभवप्रकाश  
 ४ बनारसीविलास  
 ५ भावनाविवेक  
 ६ बोधामृतसार  
 ७ ब्रह्मविलास  
 ८ छहडाला  
 ९ चर्चासागर  
 १० चर्चासंग्रह  
 ११ चर्चाशतक  
 १२ दौलतविलास  
 १३ धर्मरसायण  
 १४ कुरलकाव्य

- १५ लघु शान्तिसुधासिन्धु  
 १६ मनुष्यकृत्यसार  
 १७ मुनिधर्मप्रदीप  
 १८ नालडियार  
 १९ नरेशधर्मदर्पण  
 २० नयनसुखविलास = ०१  
 २१ नयनसुखविलास = ०२  
 २२ पद्मनन्दी पंचविंशति  
 २३ सहज सुखसाधन  
 २४ समन्तभद्र-विचारदीपिका  
 २५ सम्यक्त्वसार शतक  
 २६ संशयतिमिरप्रदीप  
 २७ शास्त्रसारसमुच्चय  
 २८ शीतलविलास  
 २९ श्री पंचेन्द्रिय संवाद  
 ३० सुधर्मोपदेशामृतसार  
 ३१ सुमतिविलास

उपन्यास-चित्रकथा

- १ आटे का मूर्गा  
 २ अज्ञात प्रतिमा की खोज  
 ३ अन्तर्द्वन्द्वों के पार-गोम्मटेश बाहुबली  
 ४ अनुत्तर योगी = ०१  
 ५ अनुत्तर योगी = ०२  
 ६ अनुत्तर योगी = ०३  
 ७ अनुत्तर योगी = ०४  
 ८ चौबीस तीर्थकर = ०१  
 ९ चौबीस तीर्थकर = ०२  
 १० चन्दनबाला  
 ११ दानचिन्तामणि  
 १२ धर्म के दसलक्षण  
 १३ गाये जा गीत अपन के  
 १४ गोम्मटेश्वर बाहुबली  
 १५ जनकनन्दिनी सीता  
 १६ जीवन्धर  
 १७ जो करे सो भरे  
 १८ कविवर बनारसीदास  
 १९ कुन्दकुन्दाचार्य  
 २० महादानी भामाशाह  
 २१ महारानी चेलना की विजय  
 २२ मुक्तिदूत  
 २३ मुनिरक्षा

- २४ पट्ट महादेवी शान्तला = ०१  
 २५ पट्ट महादेवी शान्तला = ०२  
 २६ पट्ट महादेवी शान्तला = ०३  
 २७ पट्ट महादेवी शान्तला = ०४  
 २८ परीक्षा  
 २९ प्रद्युम्नहरण  
 ३० प्रेय की भभूत  
 ३१ पुण्य का फल  
 ३२ राजुल  
 ३३ रत्नाकर  
 ३४ ऋषभदेव  
 ३५ रूप जो बदला नहीं जाता  
 ३६ सिकन्दर और कल्याणमुनि  
 ३७ सुशीला  
 ३८ ताली जो एक हाथ से बजती रही  
 ३९ तीन दिन में  
 ४० टीले वाले बाबा

व्याकरण

- १ अभिनव प्राकृत-व्याकरण  
 २ अपभ्रंश अभ्यास सौरभ  
 ३ अपभ्रंश रचना सौरभ  
 ४ अपभ्रंश प्रकाश  
 ५ जैनेन्द्रलघुवृत्ति  
 ६ जैनेन्द्रमहावृत्ति  
 ७ जैनेन्द्रप्रक्रिया = ०१  
 ८ जैनेन्द्रप्रक्रिया = ०२  
 ९ कातन्त्र-रूपमाला (लिंग स्वरान्त)  
 १० कातन्त्र-रूपमाला (लिंग व्यंजानान्त)  
 ११ कातन्त्र-रूपमाला (पंच सन्धि)  
 १२ कातन्त्र-रूपमाला  
 १३ पाइय सिकखा = ०१  
 १४ पाइय सिकखा = ०२  
 १५ पाइय सिकखा = ०३  
 १६ पाइय सिकखा = ०४  
 १७ प्राकृत अभ्यास सौरभ  
 १८ प्राकृत अभ्यास उत्तरपुरस्तक  
 १९ प्राकृत रचना सौरभ  
 २० प्राकृत शब्दानुशासन  
 २१ शाकटायन-व्याकरण